भारत सरकार

विदेश मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1926

03.07.2019 को उत्तर दिए जाने के लिए

प्रधानमंत्री की पड़ोसी देशों की यात्रा

1926. **श्री खगेन मुर्मुः**

श्री असादुद्दीन ओवैसीः

श्री सैयद इम्तियाज जलीलः

डॉ. सुकान्त मजूमदारः

क्या **विदेश मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या प्रधानमंत्री ने हाल ही में श्रीलंका और मालदीव सहित पड़ोसी देशों की यात्रा की है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और प्रत्येक देश के साथ हस्ताक्षरित समझौतों और नए परियोजना प्रस्तावों का ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या प्रधानमंत्री ने श्रीलंका के साथ बंगाल की खाड़ी बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग उपक्रम (बिम्स्टेक) से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) चीन के पड़ोसी देशों पर बढ़ते प्रभाव के मद्देनजर मालदीव और श्रीलंका के साथ भारतीय संबंधों की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ङ) निकट भविष्य में भारत द्वारा श्रीलंका और मालदीव के साथ कौन-सी नई सेवाएं आरंभ की जाने की संभावना है;

(च) क्या प्रधानमंत्री ने श्रीलंका और मालदीव के राष्ट्रपति/प्रधानमंत्री को भारत आने का निमंत्रण दिया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(छ) सरकार द्वारा अन्य पड़ोसी देशों के साथ संबंधों में सुधार के लिए अन्य क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

विदेश राज्य मंत्री

(श्री वी. मुरलीधरन)

(**क**) और (**ख**) जी, हाँ। प्रधानमंत्री ने 8-9 जून, 2019 को मालदीव की यात्रा की। नौवहन संबंधी सूचनाओं के आदान-प्रदान, हाइड्रोग्राफी, स्वास्थ्य सहयोग, फेरी तथा मालवाहक सेवाओं तथा सीमा शुल्क एवं सिविल सेवाओं में क्षमता निर्माण संबंधी सहयोग जैसे क्षेत्रों में मालदीव के साथ छह करारों पर हस्ताक्षर

किए गए। प्रधानमंत्री ने 9 जून, 2019 को श्रीलंका की भी यात्रा की। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य श्रीलंका में आतंकवादी हमलों के बाद उस देश के साथ हमारी एकजुटता का संदेश देना था।

(ग) श्रीलंका यात्रा द्विपक्षीय स्वरूप की थी और हमारे संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने के लिए इस पर विचार-विमर्श किया गया।

(घ) श्रीलंका और मालदीव के साथ भारत के संबंध अपने दम पर है और किसी भी तीसरे देश के साथ इन देशों के संबंधों से इसका कोई लेना-देना नहीं है।

(ङ) भारत और मालदीव ने भारत में कोच्चि तथा मालदीव में कुल्हुदहुफ्फुशी तथा माले के बीच फेरी सेवाएं शुरू करने पर सहमति व्यक्त की है। प्रधानमंत्री की हाल ही में मालदीव यात्रा के दौरान इसकी घोषणा की गई।

(च) भारत तथा श्रीलंका और भारत तथा मालदीव के बीच उच्चस्तरीय आदान-प्रदान एक नियमित घटना है जोकि भारत सरकार द्वारा इन देशों को दिए जाने वाले महत्व से जुड़ी है।

(छ) 'पड़ोसी प्रथम' नीति के तहत भारत सरकार अपने सभी पड़ोसी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण एवं परस्पर लाभकारी संबंध विकसित करने के लिए वचनबद्ध है। भारत अपने पड़ोसी देशों का एक सक्रिय आर्थिक साझेदार है और वह पड़ोसी देशों में विभिन्न विकास परियोजनाओं में शामिल है।

***